Title of the Project: मध्यप्रदेश में महुआ फूल एवं अचार गुठली के उत्पादन/संग्रहण मात्रा का आँकलन।

Why this Project:-

मध्यप्रदेश महुआ उत्पादन संग्रहण में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रदेश के गरीब एवं आदिवासी समुदाय के भोजन एवं आजीविका का प्रमुख स्त्रोत है। महुआ के व्यापार पर कई महत्वपूर्ण व्यापारिक उद्योग धंधे स्थापित हैं, जिनसे सरकार को आय प्राप्त होती है। इसी प्रकार चिरौंजी जो कि अचार के वृक्षों से निकलती है, जिसका देश विदेशों में निर्यात कर बहुमूल्य विदेशी मुद्रा प्राप्त की जाती है। प्रारम्भिक अध्ययन में पाया गया है कि महुआ के वृक्षों का नया रोपण नही हो रहा है, पुराने वृक्ष कमजोर होकर नष्ट हो रहें हैं, आदिवासियों की वनों में स्थित वृक्षों पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। वनों से महुआ फूल संग्रहण के पूर्व संग्राहकों द्वारा संग्रहण स्थल में आग लगाकर सफाई की जाती है, इससे कई बार जंगल में भयानक आग लग जाती है, जिससे जैव विविधता एवं जंगली पेंड़ पौधों का नुकसान होता है। संग्राहक अचार गुठली संग्रहण करने के लिए अवसर पाकर अधिक आय की लालसा में वृक्ष काटकर गुठली का संग्रहण करते हैं, जिससे वृक्ष धीरे–धीरे कम होते जा रहे हैं। वर्तमान समय में औपचारिक रूप से महुआ फूल एवं अचार गुठली के संग्रहण मात्रा के आंकड़े उपलब्ध नही हैं। जंगल के वृक्षों का आंकलन वन मंडलों की कार्य आयोजना से कर उत्पादन का आंकलन किया जा सकता है, लेकिन कृषकों की निजी एवं राजस्व भूमियों में महुआ एवं अचार के वृक्षों की संख्या अज्ञात होने के कारण ऐसा करना संभव नही था। इस अध्ययन से महुआ एवं अचार वृक्षों की संख्या का आंकलन प्राप्त होने पर उत्पादन मात्रा का आंकलन किया जाना संभव होगा। सरकार को प्राथमिक संग्राहकों की आय एवं रोजगार को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने में सहायक हो जाएगा।

Research Methodology & Study Design :-

1. द्वितीयक साहित्य एवं आंकड़ों का संकलन।
2. परियोजना स्टॉफ का चयन कर अध्ययन एवं सर्वेक्षण कार्य के लिए प्रशिक्षण।
3. मध्यप्रदेश राज्य लघुवनोपज सहकारी संघ, भोपाल एवं जिले के वनमंडल कार्यालय, स्थानीय फुटकर एवं थोक व्यापारियों से साक्षात्कार एवं ऑकड़ों का संकलन।
4. महुआ फूल एवं अचार गुठली के उत्पादन/संग्रहण वाले जिलों का प्रारम्भिक सर्वेक्षण कर संग्रहण क्षेत्र वाले गांवों का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण के लिए चयन, संरचित अनुसूची द्वारा प्राथमिक संग्राहक एवं किसानों का साक्षात्कार लेकर जानकारी एकत्र की गयी।
5. मध्यप्रदेश के 52 जिलों में मौजूद 385 तहसीलों में कुल 54,903 गाँव विद्यमान है (मध्यप्रदेश शासन डायरी 2019)। संग्रहण वाले जिले के संग्रहण वाली प्रत्येक तहसील से 02 गाँवों का सविचार दैव निदर्शन पद्धति से सर्वेक्षण के लिए (कुल 770 गाँव) चयन। प्रत्येक चयनित गाँव के 5 प्रतिशत (अधिकतम 15 न्यूनतम 5) संग्राहकों का साक्षात्कार।
6. सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण द्वारा साक्षात्कार लेकर अधिकतम 11,550 और न्यूनतम 3850 संग्राहक परिवारों संरचित अनुसूची में आंकड़ोंका संकलन।
7. अध्ययन दल द्वारा संग्राहकों के घर एवं खेतों में जाकर उनसे चर्चा कर वांछित जानकारी एकत्र की गई। उत्पादन में कमी एवं वृद्धि के उत्तरदायी कारणों, विपणन व्यवस्था, वृक्षों में कमी एवं वृद्धि के कारण, संग्राहकों एवं व्यापारियों में परस्पर संवाद एवं लेन–देन की व्यवस्था, संग्रहण, भण्डारण एवं विपणन में आने वाली समस्या, महुआ फूल एवं अचार गुठली के संग्रहण में वृद्धि से सम्बंधित सुझावों का संकलन किया।
8. सीमित साधनों और समय सीमा में उपलब्ध संसाधनों से एक निश्चित मापदण्ड अनुसार महुआ फूल एवं अचार गुठली के संग्रहण मात्रा का आंकलन किया गया है।
9. उत्पादन का आंकलन करने के लिए सर्वेक्षण द्वारा संग्रहण क्षेत्रों में किसानों की निजी भूमि में विद्यमान वृक्षों में से प्रति वृक्ष से संग्रहण मात्रा के आंकलन का कार्य किया गया है।
10. एकत्र किए गये आँकड़ों के विश्लेषण द्वारा अनुकूल एवं प्रतिकूल दोनों परिस्थितियों की संग्रहण मात्रा को प्रतिबिम्बित किया गया।
11. विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों से चर्चा एवं उनके द्वारा प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों के आधार पर आवश्यकतानुसार महुआ फूल एवं अचार गुठली के संग्रहण उपरांत मूल्य, गुणवत्ता, भण्डारण तथा मूल्य संवर्द्धन हेतु आवश्यक उपाय सुझाए गये।

Objectives of Research:-

- मध्यप्रदेश प्रदेश में जिलेवार महुआ फूल एवं अचार गुठली के उत्पादन/संग्रहण मात्रा का आँकलन।
- महुआ फूल एवं अचार गुठली के उत्पादन/संग्रहण में आने वाली समस्याओं का अध्ययन तथा उनके निदान के उपाय सुझाना।

Present Status:-

अंतिम प्रतिवेदन तैयार कर वित्त प्रदायकर्ता संस्थान को भेज दिया गया है।

Cost of Project:- Rs.64.63 Lakhs

Outcome of Research:-

- जिलेवार महुआ एवं अचार गुठली की कुल संग्रहण मात्रा का आंकलन।
- महुआ एवं अचार गुठली के उच्च, मध्यम एवं निम्न उत्पादन क्षेत्रों की पहचान।
- महुआ एवं अचार गुठली की संग्रहण मात्रा को बढ़ाने के लिए सुझाव।
- वास्तविक संग्रहण मात्रा के आंकलन द्वारा सम्बंधित उद्योग में निवेश की संभावना।
- मध्यप्रदेश के कुल 9826 ग्रामों में महुआ फूल का संग्रहण किया जाता है।
- महुआ फूल के संग्रहण में कुल 61500 संग्राहक परिवार संलग्न है।
- मध्यप्रदेश में अचार गुठली का संग्रहण 2959 ग्रामों में होता है।
- अचार गुठली के संग्रहण में कुल 11047 परिवारों की संलग्नता।
- महुआ संग्रहण क्षेत्रों (ग्रामों) की संख्यानुसार सर्वाधिक (801) गाँव एवं संग्राहक (3180) छिन्दवाड़ा जिले में एवं सबसे कम गाँवों की संख्या (15) आगर जिले की रही। जबकि सबसे कम संग्राहक (150) ग्वालियर जिले में पाये गये।
- अचार गुठली के सर्वाधिक संग्रहण क्षेत्रों (ग्रामों) एवं संग्राहकों की संख्या (1651) छिंदवाड़ा जिले एवं सबसे कम गांवों की संख्या (6) वाले जिले क्रमशः श्योपुर, शाजापुर तथा भोपाल है। सबसे कम संग्राहकों की संख्या (8) राजगढ़ जिले में पायी गई।
- महुआ फूल संग्रहण वाले कुल ग्रामों में महुआ वृक्षों की कुल संख्या लगभग 3755796 आंकलित की गई है।
- अचार गुठली संग्रहण वाले कुल ग्रामों में अचार वृक्षों की कुल संख्या लगभग 418049 आंकलित की गई है।

- महुआ फूल उच्च संग्रहण में 21 जिलों से कुल 79.49 प्रतिशत संग्रहण।
- मध्यम संग्रहण क्षेत्र में 14 जिलों से कुल 17.53 प्रतिशत महुआ फूलसंग्रहण होता है।
- निम्न संग्रहण में 15 जिलों से कुल संग्रहण मात्रा का 2.98 प्रतिशत महुआ फूल संग्रहीत होता है।
- अचार गुठली के उच्च संग्रहण मात्रा वाले 12 जिले है, जहां से कुल संग्रहण मात्रा का 97.80 प्रतिशत एकत्र किया जाता है।
- मध्यम संग्रहण क्षेत्रों में कुल 13 जिले है, यहां कुल संग्रहण मात्रा का 1.90 प्रतिशत संग्रहण होता है।
- निम्न संग्रहण क्षेत्रों में प्रदेश के 12 जिले सम्मिलित है, यहाँ कुल संग्रहण मात्रा का 0.30 प्रतिशत अचार गुठली का संग्रहण होता है।
- मध्यप्रदेश में महुआ फूल की वार्षिक आंकलित कुल संग्रहण मात्रा 1935377.01 क्विं. एवं आंकलित कुल वार्षिक आय रु. 59538.99 लाख प्राप्त होती है।
- मध्यप्रदेश में अचार गुठली की आंकलित कुल वार्षिक संग्रहण मात्रा 47604.83 क्विं., जिससे कुल वार्षिक आय रु. 6148.47 लाख आंकलित है।
- कुल संग्रहण मात्रा का 91.94 प्रतिशत महुआ फूल एवं 89.44 प्रतिशत अचार गुठली का विक्रय किया जाता है।

महुआ फूल एवं अचार गुठली संग्रहण एवं विपणन में आने वाली समस्याएं तथा सुझाव
समस्याएँ :

- प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव।
- जंगली जानवरों का खतरा।
- रात्रि में जंगली जानवरों का खतरा। गाँव से बेरोजगार युवाओं का शहरी क्षेत्रों में पलायन।
- मूल्य संवर्द्धन एवं उत्पाद आधारित इकाइयों का अभाव।शासकीय सुविधा एवं अनुदान का अभाव।
- औपचारिक बाजार व्यवस्था एवं कीमतों में अनिश्चितता।
- संग्रहण के प्रति नयी पीढ़ी के रुझान में कमी।
- कृषि कार्य की प्राथमिकता के कारण कृषि भूमि में नवीन रोपण से परहेज।
- भण्डारण व्यवस्था का अभाव।

सुझाव :

- महुआ एवं अचार के उन्नत और कम समय में आय प्रदान करने वाले पौधे उपलब्ध कराकर रोपण हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- महुआ फूल एवं अचार गुठली का संग्रहण क्षेत्र के समीप भण्डारण व्यवस्था।
- विक्रय दर में स्थायित्व एवं निरंतरता।
- महुआ फूल एवं अचार गुठली के वृक्षों में कमी।
- जंगल में विद्यमान महुआ एवं अचार के पेड़ों का संग्राहकों में समान वितरण।
- महुआ फूल के संग्रहण हेतु उचित साधन एवं नेट आदि व्यवस्था हेतु अनुदान का प्रावधान।
- प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन का प्रशिक्षण तथां समुचित उपकरण में अनुदान का प्रावधान।
- उपज के विक्रय हेतु संग्रहण क्षेत्र में सरकारी खरीदी–विक्रय केन्द्रों की स्थापना।
- कीमतों में स्थायित्व एवं औपचारिक बाजार व्यवस्था की आवश्यकता।
- संग्राहकों को मुफ्त बीमा की सुविधा।
- लघु वनोपज महुआ एवं अचार के लिए भी संग्राहकों द्वारा बोनस की मांग।

महुआ फूल के संग्राहको व व्यापारियों का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण

महुआ व अचार के वृक्षों का मापन